

कला संस्कृति महासंमेलन

वडोदरा, अलकापुरी सेवाकेन्द्र द्वारा कला संस्कृति महासंमेलन संपन्न हुआ। जिसमें गुजराती फिल्म की अभिनेत्री, निर्माता एवम् निर्देशक प्रांजल भट्ट ने कहा कलाकार अपनी कला के द्वारा समाज में प्रेरणा और संदेश दे सकते हैं। उसने कहा मैं पीस ओफ माईन्ड चैनल में शिवानी बहन को सुनती हूँ। ये मुझे समझ में आया है कि कर्म ही प्रधान है। हम जैसा करेंगे वैसा फल पायेंगे।

वडोदरा के धारासभ्य भ्राता जितेन्द्र सुखडीया ने कहा राजयोग द्वारा हम परिस्थिती सही रीति से सुलझा सकते हैं ये मेरा अपना अनुभव है, ये राजयोग देश को आगे लाने में भी मदद करेगा।

मुख्यालय माउन्ट आबु से पधारे ब्र.कु.सतीशभाई ने कहा कला वो जो सबका भला करे, सबको साथ ले के चला करे। समाज में व्यापक आज की सर्व समस्याओ का समाधान संस्कार और संस्कृति परिवर्तन है। स्वर्णीम युग की संस्कृति प्रति जागृति लाने का कार्य कर रहा है।

MSU के परफोर्मींग आर्ट्स कोलेज के डीन भ्राता ए. वी. अस्टुपुत्रे ने कहा मैं एक कलाकार हूँ, कलाकार को रोज रीयाज करने की आवश्यकता रहती है। मैं मेरे सात कलाकार और 1200 स्टुडन्ट्स के साथ जब कही निःशुल्क सेवा में उपस्थित रहने तैयार हूँ।

वडोदरा अलकापुरी सबझोन संचालिका ब्र.कु.डॉ.निरंजनाबहन ने कहा हाथो से काम करने वाले कामदार हैं। दिमाग से काम करने वाले कारीगर कहे जाते हैं, दिल से काम करने वाले कलाकार होते हैं। उन्होंने कहा संसार भी एक नाटक है। जिसमें हम सभी एकट्टर हैं। स्वयं निराकार परमात्मा शिव आकर जीवन जीने की कला सीखा रहे हैं। जैसे कोई भी कला में अभ्यास की आवश्यकता है। बचपन से ही राजयोग सीखना और सीखाने की जरूरत है।

मुख्यालय संयोजक भ्राता दयालभाई ने कला संस्कृति प्रभाग की कार्यविधि सुनाई। विनय नृत्य कलाकेन्द्र के विनोदभाई तथा हितेशभाई शाह ने शुभेच्छा प्रदान की।

दिप प्रज्जवलन करके महासंमेलन का विधिवत् उद्घाटन किया गया। ब्र.कु.नरेन्द्रभाई ने सफल मंच संचालन किया।

छतीसगठ से पधारे युगरतनभाई तथा अहमदाबाद से पधारी दामीनी बहन ने अनेक सुंदर गीतो द्वारा वातावरण को अलौकिक बना दिया।

साथ में बहुत सुंदर सांस्कृतिक प्रोग्राम रहा जिसमें विविध कलाकारो ने अपनी सुंदर प्रस्तुति के द्वारा सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। ब्र.कु.मीना बहन ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

